DEPARTMENT OF POLITICAL SCIENCE
GOVT.V.Y.T. PG AUTONOMOUS COLLEGE .DURG CHHATTISGARH
अध्ययन सामग्री निर्माण
डा शकील हुसैन
shakeelvns27@gmail.com
विभागाध्यक्ष
राजनीति विज्ञान
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय ।
दुर्ग , छत्तीसगढ़ ।
नैक द्वारा **A+** मूल्यांकित

राज्य समुदाय का समुदाय है
या
राज्य सर्वोच्च समुदाय है

अरस्तू राज्य को परिभाषित करते हुए कहा है कि-

" राज्य परिवारों तथा ग्रामों था वह समूह जिसका उद्देश्य पूर्ण तथा उत्तम जीवन की प्राप्ति है**.**" इस परिभाषा से स्पष्ट होता है कि राज्य या विकिस पूर्ण तथा उत्तम जीवन के लिए हुआ। अथवा दूसरे शब्दों में पूर्ण तथा उत्तम जीवन की उपलब्धता केवल राज्य में ही सम्भव है। सामुदायिकता की प्रकृति मनुष्य की स्वाभाविक प्रकृति है क्योकि क्योकि मनुष्य समुदाय में ही अपनी आवश्यकताओ की पूर्ति कर सकता है । प्रजनन, काम, संस्कृति, नैतिक और सुरक्षा आवश्यकताओं के कारण मनुष्य पहले परिवार मे फिर ग्राम मे और फिर ग्राम से समुदाय (नगर राज्य) के रूप मे विकसित होता है । अतः राज्य समुदायो का समुदाय है अथवा राज्य सर्वोच्च समुदाय है। इसीलिए वह कहता है दि " यदि कोई व्यक्ति राज्य में इसलिए नहीं रहना चाहता कि उसे राज्य (समाज) की आवश्यकता नहीं ती वह पशु या देवता " । राज्य से बाहर मानवीय जीवन असम्भव है ।

अरस्तू के अनुसार राज्य था विकास केवल जीवन के लिए नहीं बल्कि उत्तम जीवन के लिए हुआ है। State exists for & life and continues to exist for good life. अतः जैविक विकासक्रम , में विवेक का गुण रखने के कारण मनुष्य अपने उच्चतम् विकास को प्राप्त करना चाहता है। परिवार और ग्राम में उसे जीवन मिलता है उत्तम जीवन (goodlife) उसे राज्य में ही प्राप्त होती है। राज्य मे ही वह जैविक प्राणी से नैतिक प्राणी बन पाता है । इसलिए राज्य सर्वोच्च समुदाय है ।

गृह कार्य

- राज्य समुदाय का समुदाय है । इस कथन की 250 शब्दो मे व्याख्या कीजिए ।
- राज्य सर्वोच्च समुदाय है । इस कथन की 250 शब्दो मे व्याख्या कीजिए ।

संदर्भ

https://www.britannica.com/biography/Aristotle

सैबाइन जी एच **(1986) :** राजनीतिक चिन्तन का इतिहास **,** एस चन्द एण्ड कम्पनी नई दिल्ली ।